अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2016) | दिनांक 20.12.2016

द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 15

आचार्य रायचन्दजी (किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) बालक रायचन्द में वैराग्य की भावना किसकी संगति से जागृत हुई?

(ख) दीक्षा वृद्ध साधुओं को आचार्य के पास आलोयणा करने की परिपाटी में सर्वप्रथम किस मुनि ने आचार्य के पास आलोयणा की?

(ग) आचार्य रायचन्दजी ने स्वामी भिक्खणजी के साथ कितने चातुर्मास किए?

(घ) आचार्यश्री रायचन्दजी का जन्म कब व किस गौत्र में हुआ?

(ङ) आचार्य भारमलजी के संघ में उत्तराधिकार के लिए विशिष्ट प्रभावशाली और योग्य मुनि कौन–कौन थे?

(च) ऋषिराय के शासनकाल में कितने साधु साध्वियाँ दीक्षित हुए?

आचार्य जीतमलजी (किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) बालक जीतमल ने प्राथमिक तत्त्वज्ञान के अवसर पर कौन–कौन से थोकड़े कंठस्थ किए? उस समय उनकी अवस्था कितनी थी?

(ज) ''जीतमल कोई आचार्य थोड़े ही हो गया है? तुम कह देते कि तुम्हारी बात मानने का विचार नहीं है।'' यह कथन किसने किससे कहे?

(झ) महासती सरदारांजी ने एक रात में कितनी साध्वियों के कितने सिंघाड़े बनाए?

(ञ) मुनि कोदरजी की दीक्षा कब व कहाँ हुई?

(ट) जयाचार्य के साथ सरदार सती आदि साध्वियों का क्रम कब व कहाँ से प्रारम्भ हुआ?

(ठ) चरम महोत्सव का उद्‌गम कब व कहाँ से हुआ?

(ड) ''वृद्धता के कारण मुनि हेमराजजी दो उत्तरीय ओढ़ते हैं। तुम युवा हो तुम्हें एक ओढ़ना चाहिए।'' यह शिक्षा किसने किसको दी?

(ढ़) ''भिक्षु म्हारै प्रगट्याजी'' भरत खेतर में जयाचार्य ने उक्त गीतिका की रचना कब व कहाँ की?

(ण) जयाचार्य की नाड़ी देखकर आजीवन अनशन कराने की प्रार्थना करने वाले श्रावक कौन व कहाँ के थे?

(त) जयाचार्य ने अपनी गीतिकाओं में आचार्य भारमली व मुनि खेतसीजी के कौनसे देवलोक के देव होने का वर्णन किया?

(थ) मुनि जीतमलजी ने अग्रणी अवस्था में बीकानेर में कितने चातुर्मास किए?

(द) ''सिद्ध ध्यान'' में किसकी अनुभूति की जाती है?

प्र.2 निम्न चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 10

आचार्य रायचंद जी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य भारमलजी ने उत्तराधिकार के लिए मुनि हेमराजजी से परामर्श किया तब मुनि हेमराजजी ने क्या निवेदन किया?

(ख) ''अत्युग्रपुण्यपापानामिहैव लभते फलम'' यह उक्ति मुनि अमीचन्दजी के साथ किस प्रकार फलित हुई?

(ग) ऋषिराय का अन्तिम विहार कहाँ–कहाँ व कितना–कितना हुआ?

आचार्य जीतमल जी (कोई दो प्रश्न का उत्तर दें)

(घ) जयाचार्य द्वारा रचित तत्त्वचर्चात्मक गद्य व पद्य ग्रन्थ कौन–कौनसे हैं? लिखें।

(ड.) अकेले साधु को अकेली स्त्री से तथा अकेली स्त्री को अकेले पुरुष से बात करने की दूरी निश्चित करने के लिए जयाचार्य ने क्या मर्यादा बनाई?

(च) संघीय दृष्टि से गौरव बढ़ाने के लिए जयाचार्य ने मुनि मघवा को किस प्रकार आगे बढ़ाया?

प्र.3 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 7

(क) सिद्ध करें कि ऋषिराय के शासनकाल में संघ में तपस्या की बहुत वृद्धि हुई।

''अथवा''

सिद्ध करें कि थली में तेरापंथ के प्रचार का सघन प्रयास ऋषिराय के पदार्पण से हुआ।

प्र.4 किसी एक विषय पर 100 से 150 शब्दों में टिप्पणी लिखें। 8

(क) भगवती की जोड़

(ख) कितने आगम

(ग) ग्रंथ संग्रह

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें। 30

(क) जयाचार्य ने संघहित में अपनी योजनाओं को किस प्रकार कार्यरूप दिया?

(ख) घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि जयाचार्य कि ''प्रतिबोधक शक्ति अनन्य थी।''

(ग) जयाचार्य के अग्रणी काल की यात्राओं द्वारा सिद्ध करें कि उस जीवन को विभिन्न प्रदेशों में धर्म प्रचार के लिए किये जाने वाले सफल अभियानों का जीवन कहा जा सकता है।

तेरापंथ–प्रबोध – 30

प्र.6 कोई दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12

(क) ''हमारे भाग्य बड़े बलवान ''गीत वाला पद्य''।

(ख) ''जय बोलो मघवा गणिवर की'' गीत वाला पद्य।

(ग) ''टोला रा टालोकरां'' वाला पद्य।

(घ) ''आत्म साक्षात्कार प्रेक्षाध्यान'' गीत वाला पद्य।

प्र.7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) भाद्रव शुक्ल.....निर अतिचार हो।

(ख) पोढ़ायां नै.....मंडी त्यार हो।

(ग) भागी भारमल्ल वाला पद्य।

(घ) महाप्रज्ञ सा.....साझीदार हो।

(ड.) कामधेनु है विश्वभारती.....साकार हो।

प्र.8 कोई तीन पद्य लिखें। 9

(क) ''एकानी नदी और एकानी न्हार'' वाला पद्य।

(ख) ''रामचरण जी भीखणजी की मैत्री'' वाला पद्य।

(ग) बादलियो आंखड़ल्यां बरस्यो गीत वाला पद्य।

(घ) अंतिम मर्यादा पत्र वाला पद्य।

(ड.) जागृत धर्म हमारा गीत वाला पद्य।